>

Title : Need to handover the work of maintenance of National Highways connecting Jabalpur with other cities and to construct bye-passes on Jabalpur-Lakhnadon and Jabalpur-Katni-Rewa roads in Madhya Pradesh.

श्री राकेश सिंह (जबलपुर): मध्य प्रदेश में राÂट्रीय राजमार्गों की हालत ठीक नहीं है। शहर की पहचान वहां की सड़कों से होती है। इन्हीं सड़कों से विकास के मार्ग भी खुलते हैं। मैंने इनके सुधार के लिए कई बार सदन में आवाज उठाई है यहां के राÂट्रीय राजामार्गों की हालत जस की तस बनी हुइ है। इससे निपटने के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने जबलपुर-भोपाल (एनएच 12) तथा जबलपुर-मंडला-चिल्पी (एनएच 12ए) रा.रा. मार्ग के विकास एवं रखरखाव का जिम्मा लेते हुए इनका हस्तांतरण राज्य को कर दिये जाने हेतु कहा था किंतु केन्द्र द्वारा इस हस्तांतरण की कार्यवाही में भी विलंब किया जा रहा है। ऐसे ही जबलपुर-नागपुर रोड में मानेगांव एवं मंडला रोड में सालीवाड़ा मार्ग का निर्माण आवश्यक है। इस मार्ग पर यातायात अत्यधिक रहता है। इसका निर्माण राÂट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा शीघ्र किया जाये अथवा इन मार्गों को भी प्रदेश सरकार को सौंप दिया जाये ताकि इनका निर्माण कराया जा सके। अध्यक्षा जी देश के कई राÂट्रीय राजमार्गों के उननयन के समय इसके अंतर्गत आने वाले बाइपास के हिस्सों के निर्माण एवं रखरखाव कार्य राÂट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा किया गया है। अतः मेरा निवेदन है कि जबलपुर-लखनादौन एवं जबलपुर-कटनी-रीवा मार्ग के अंतर्गत आने वाले बाईपास मार्ग के उन हिस्सों का निर्माण कार्य कर स्थानीय प्रशासन को हस्तांतरित किया जाये ताकि कम से कम 3-4 वÂाों तक इन मार्गों के रखरखाव का बोझ स्थानीय प्रशासन पर न पड़े। राÂट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा जबलपुर-कटनी-रीवा (एनएच 7) मार्ग को फोरलेन में परिवर्तित करने हेतु 1800 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। जबकि इसके रखरखाव हेतु दो वÂाों में मात्र 10-12 करोड़ रूपये ही दिये गये हैं जो कि कुल निर्माण राशि के 1 प्रतिशत से भी कम है। अतः गुणवत्तापूर्ण मार्ग के निर्माण के लिए राÂट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा कम से कम 60-70 करोड़ रूपये प्रति 40-50 कि.मी. मार्ग के हिसाब से दिया जाना चाहिए।